प्रियंका : छोटे कस्बे की बड़ी आर्टिस्ट

पिछले दिनों अयोध्या में आयोजित पूर्वांचल ब्यूटी अवार्ड शो में सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट अवार्ड से सम्मानित प्रियंका जायसवाल ने यह साबित कर दिया कि प्रतिभाएं केवल शहरों और कुछ परंपरागत घरानों से ही नहीं उभरतीं। छोटे से कस्बे बृजमनगंज की बहू प्रियंका जायसवाल ने सिलेब्रिटी मेकअप की दुनिया में मुकाम हासिल कर न केवल बृजमनगंज, बल्कि जनपद महराजगंज (उत्तर प्रदेश) का मान बढ़ाया है। प्रियंका जायसवाल के खाते में मेकअप अचीवमेंट के ढेर सारे अवार्ड हैं। उन्होंने कभी इसका गुमान नहीं किया। वे सुर्खियों में अयोध्या के एक होटल में आयोजित बड़े ब्यूटी अवार्ड शो में परिधि शर्मा के हाथों मिले अवार्ड के बाद आईं। परिधि शर्मा मशहूर टीवी आर्टिस्ट हैं। टीवी सीरियल जोधा अकबर में वे जोधा की भूमिका में थीं।

-यशोदा श्रीवास्तव, वरिष्ठ पत्रकार

अभिनेत्री परिधि शर्मा के साथ प्रियंका

छात्राओं के साथ प्रियंका

प्रियंका जायसवाल को अपने हाथों अवार्ड देते वक्त, उन्होंने कहा कि वे जानती हैं कि ब्यूटीशियन कितनी मेहनत से इस मुकाम तक पहुंचती हैं। जोधा के रूप में मेरी कामयाब रोल के पीछे प्रियंका जैसी ही मेहनती और अपनी कला में पारंगत कोई ब्यूटीशियन ही हैं, जिसने अपनी मेकअप आर्ट के हुनर से मुझे जोधा के रूप में प्रस्तुत किया। प्रियंका जायसवाल अब एक कामयाब सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट हैं। गोरखपुर की रहने वाली प्रियंका को यह हुनर उनकी मां से हासिल हुआ, जो एक ब्यूटीशियन थीं। अब वे अपने ससुराल बृजमनगंज में रह रही हैं। उत्तर प्रदेश के महराजगंज जिले के इस छोटे कस्बे में उनका एक शानदार मेकअप स्टूडियो है, जहां वे बच्चियों को ट्रेनिंग भी देती हैं। वे अपनी कामयाबी की श्रेय पति गौरव जायसवाल और अपने सास-ससुर को देती हैं। कहती हैं कि मां से मिला यह हुनर फ्लॉप हो जाता यदि ससुराल में प्रोत्साहन न मिलता। उनका यह भी मानना है कि प्रतिभाओं को यदि सहारा न मिले तो वे धरी रह जाती हैं। कहती हैं कि चूंकि वे ब्यूटीशियन हैं इसलिए तमाम जगहों पर ऑफर मिलने पर जाना पड़ता था। इसी आने-जाने में उनकी मुलाकात बस्ती की रहने वाली कविता श्रीवास्तव से हुई। वे एक सुप्रसिद्ध इवेंट मैनेजर हैं। बड़े-बड़े सेलिब्रिटीज के कार्यक्रम आयोजित करती रहती हैं। प्रियंका कहती हैं कि उन्हें इस दुनिया में आगे बढ़ने की सीख उन्हीं से मिलीं, उन्होंने ही मुझे इस मुकाम तक पहुंचाया। मैं उनकी हृदय से आभारी हूं। सदैव रहूंगी। प्रियंका जायसवाल को इससे पहले भी कई अवार्ड मिल चुके हैं। इसके पहले 2024 में लखनऊ में आयोजित एक्सीलेंस अवार्ड समारोह में मशहूर सिने स्टार अमीषा पटेल के हाथों मेकअप आर्टिस्ट अवार्ड से सम्मानित हो चुकी हैं। इसके पहले भी विभिन्न समारोहों में वे तमाम हस्तियों के हाथों सम्मानित हो चुकी हैं, जिसमें मशहूर हेयर स्टाइलिस्ट जावेद हबीब, अनुराग आर्यवर्धन, सियमा चंद्रा आदि के हाथों मिला अवार्ड शामिल है। प्रियंका कहती हैं कि पिछले आठ सालों में उन्होंने 25-30 इवेंट में हिस्सा लिया, जहां उन्हें सिने और टीवी की दुनिया के मशहूर शख्सियतों के हाथों सम्मानित होने का सौभाग्य हासिल हुआ है।

फिल्म समीक्षा

कॉमेडी और इमोशन्स का कॉकटेल जॉली एलएलबी-3

जैसा कि ट्रैलर से अनुमान किया था फिल्म वैसी ही जबरदस्त निकली। इस फिल्म में दो नहीं, बल्कि चार हीरो हैं। अक्षय कुमार, अरशद वारसी, सौरभ शुक्ला और लेखक-निर्देशक सुभाष कपूर। तीन हीरो तो सबको दिखेंगे, लेकिन चौथे को बहुत कम लोग जानते हैं। मुझे पूरा विश्वास था चौथे पर, जो एकदम खरे उतरे। जॉली फ्रेंचाइजी को उन्होंने गंभीर रूप से लिया है। सिर्फ पैसा बनाना उनका मकसद नहीं।

निर्देशक सुभाष कपूर ने अपनी एक शैली बना ली है, इंटरवल तक टाइमपास करो, फिर अपनी बात इतनी जबरदस्त तरीके से कहो कि दर्शकों के दिल तक जाए। जॉली एलएलबी 3 के तीन मुख्य स्तंभ, बेहतरीन निर्देशन, मजबूत पटकथा और शानदार अभिनय हैं। फिल्म में कोई नाच-गाना नहीं, बस एक बैकग्राउंड सॉन्ग है, जो अच्छा लगता है। अमीर बिजनेसमैन के रूप में गजराव राव और वकील राम कपूर का अभिनय शानदार है। नब्बे के दशक के हीरो अक्षय कुमार ने जो रोल किया है वैसा रोल शायद अन्य कोई सुपरस्टार नहीं कर सकता। अरशद वारसी कितने बेहतरीन एक्टर हैं, ये उन्होंने क्लाइमैक्स में एक बार फिर से साबित किया है। फिल्म में हुमा कुरैशी और अमृता राव के लिए कुछ खास नहीं था। सीमा विश्वास के हिस्से में कुछ अच्छे दृश्य आए, जिसे उन्होंने बिना कुछ बोले बेहतरीन बनाया है। फिल्म में कॉमेडी है, इमोशन है, सोशल मैसेज है, जो इस फ्रेंचाइजी की पहचान है और इसमें भी बरकरार है। अच्छी स्क्रिप्ट क्या होती है, उसकी मिसाल है ये फिल्म। अच्छी फिल्म देखने के शौकीन हैं तो अवश्य देखिए।

- गोविंद परिहार

एक नए अंदाज की सीरीज

शाहरुख खान के पुत्र आर्यन खान के लेखन-निर्देशन व रेडचिली एंटरटेनमेंट तले नेटफ्लिक्स के लिए बनी 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' सीरीज आर्यन खान के अपने पिता से अलग सचमुच वर्सेटाइल क्रिएटर होने की निशानी है। आर्यन चाहते तो बाकी एक्टर के बेटों की तरह किसी प्रेमकहानी से आगाज कर सकते थे, मगर उन्होंने लेखन निर्देशन की कठिन राह चुनी। यह वर्तमान पीढ़ी कैसे पिछले पचास बरसों वाली पीढ़ियों से हटकर है। इसका उदाहरण है यह सीरीज है। सीरीज के देखकर ऐसा लगता है मानो आर्यन ने जो देखा बस उन्हीं स्मृतियों को रचा दिया है।

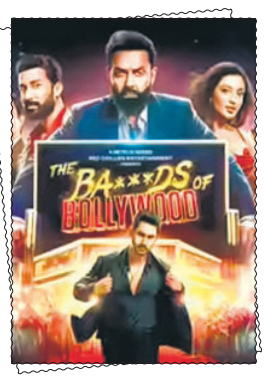

सात एपिसोड की इस सीरीज में लक्ष्य लालवानी मुख्य हैं, जो आसमान सिंह की भूमिका में हैं और स्टार बनने बॉलीवुड पहुंचे हैं। बॉबी देओल अजय तलवार बने हैं, जिनकी बेटी करिश्मा तलवार (साहेर बांभा) हीरोइन बनी हैं। करण जौहर सीरीज में एक खास अदा में मिलते हैं और छा जाते हैं। आमिर, सलमान, अर्जुन आदि अनेक सितारे केमियो करते सीरीज में नजर आएंगे। पहले ही एपिसोड में यह इंडस्ट्री कितनी निर्मोही व स्वकेन्द्रित या खुदगर्ज है। इसका उदाहरण देखने को मिल जाता है, जहां बॉडी डबल एक एक्शन शॉट के कारण घायल पड़ा है और सबको फिक्र 'शॉट कैसे पूरा होगा' की है, न कि उसके ईलाज की। सीरीज जहां फिल्म इंडस्ट्री के बेदर्द होने को बताती है वहीं नेपोटिज्म पर भी खुलकर इजहार करती है। सीरीज में बाहर से आए स्ट्रगलर और नेपोटिज्म के जरिए प्लांटेड अभिनेता-अभिनेत्री का फर्क आप महसूस कर सकते हैं। अकबर इलाहाबादी ने कहा था कि 'जब तोप मुकाबिल हो तो अखबार निकालो' यानी हिंसा का जवाब क्रिएटिवली दिया जाना चाहिए। इसमें समीर वानखेड़े नामक अधिकारी का हमशक्ल भी है। यह शायद उस अधिकारी की आर्यन द्वारा महसूस की गई मानसिकता को जवाब है, एक क्रिएटिव जवाब।

- अरविंद सिंह अशिया

ऑस्कर की रेस में शामिल हुई 'होमबाउंड'

भारतीय सिनेमा के लिए एक बड़ी और गर्व की न्यूज सामने आई है। फिल्म स्टार ईशान खट्टर और जाह्नवी कपूर की आने वाली फिल्म 'होमबाउंड' को ऑस्कर 2026 में भारत की ओर से ऑफिशियल एंट्री के रूप में चुना गया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि फिल्म अभी तक भारत में रिलीज भी नहीं हुई है और उससे पहले ही यह सफलता हासिल कर चुकी है। फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया (एफएफआई) ने बीते शुक्रवार को घोषणा की है कि इस साल इंटरनेशनल फीचर फिल्म कैटेगरी के लिए भारत की तरफ से 'होमबाउंड' को भेजा जाएगा। यह खबर सामने आते ही फैंस में खुशी की लहर दौड़ गई।

फिल्म फेस्टिवल्स में मिला शानदार रिस्पॉन्स

इस फिल्म के निर्देशक नीरज घायवान ने पहले भी नेशनल फिल्म अवॉर्ड जीता है। इस फिल्म को करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस ने प्रोड्यूस किया है, जिसमें ईशान खट्टर और जाह्नवी कपूर लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म भारत में 26 सितंबर को रिलीज होगी, लेकिन फिल्म को पहले ही दुनिया के बड़े फिल्म फेस्टिवल्स में दिखाया जा चुका है। 'होमबाउंड' की स्क्रीनिंग कान्स फिल्म फेस्टिवल और टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुई, जहां इसे शानदार रिस्पॉन्स मिला। टोरंटो फिल्म फेस्टिवल में इसे पीपुल्स चॉइस अवॉर्ड में दूसरा स्थान मिला। यहां तक कि दर्शकों ने फिल्म खत्म होने के बाद पूरे 9 मिनट तक खड़े होकर तालियां बजाईं, जो भारतीय फिल्मों के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जाती है।

2026 ऑस्कर शेड्यूल जारी

अब सबकी निगाहें ऑस्कर पर टिकी हैं। दो महीने बाद यानी 16 दिसंबर 2025 को एकेडमी की ओर से इंटरनेशनल फीचर फिल्मों की लंबी लिस्ट जारी की जाएगी। इसके बाद 22 जनवरी 2026 को टॉप 5 फिल्मों का ऐलान होगा। फाइनल अवॉर्ड नाइट 15 मार्च 2026 को लॉस एंजिल्स के डॉल्बी थिएटर में आयोजित की जाएगी। 'होमबाउंड' फिल्म एक इमोशनल कहानी है, जो उत्तर भारत के एक छोटे से गांव पर बनी है। फिल्म में दोस्ती, संघर्ष और रिश्तों की खूबसूरत झलक दिखाई गई है। एक्टर ईशान खट्टर की एक्टिंग की खूब तारीफ हो रही है। समीक्षकों का मानना है कि यह उनके करियर की सबसे बेहतरीन परफॉर्मेंस है। फिल्म में एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने भी अपने रोल को बखूबी निभाया है।

छावा और विक्की कौशल संग रिश्ते पर बोले अनुराग

डायरेक्टर अनुराग कश्यप अक्सर अपने बयानों के लेकर चर्चा में रहते हैं। एक बार फिर अनुराग फिल्म 'छावा' को लेकर चर्चा में हैं। अनुराग का कहना है कि उन्हें फिल्म 'छावा' पसंद नहीं आई। साथ ही उन्होंने एक्टर विक्की कौशल संग अपने बदले रिश्ते पर भी बात की। गौरतलब है कि विक्की कौशल की फिल्म 'छावा' इस साल की सबसे सक्सेसफुल हिंदी फिल्मों में से एक है। जब ये रिलीज हुई थी, तब इसकी चर्चा देश के हर कोने में हुई थी। हर किसी ने फिल्म की स्टोरीटेलिंग, एक्टिंग और डायरेक्शन की जमकर तारीफ की थी, लेकिन अनुराग कश्यप को 'छावा' उतनी पसंद नहीं आई जितनी इसकी चर्चा हुई थी।

अनुराग कश्यप आजकल अपनी नई फिल्म 'निशांची' को लेकर कैमरे के सामने रूबरू हैं। वो इसे हर तरफ प्रमोट भी कर रहे हैं। इसी बीच फिल्ममेकर ने एक मीटिंग में खास बातचीत भी की, जिसमें उन्होंने हिंदी सिनेमा को लेकर कई बातें कहीं। अनुराग ने इस साल की सबसे बड़ी हिट फिल्म 'छावा' पर भी अपनी बात रखी। उनका कहना है, 'छावा से ज्यादा, मुझे वो फिल्म हॉलीवुड की द पैशन ऑफ द प्रीस्ट जैसी लगी, मुझे जमी नहीं। बेचैनी से जो इमोशन्स पैदा किए जा रहे थे, मुझे वो पसंद नहीं आया। मैं वो फिल्म देख भी नहीं पाया। मैं हिंदी फिल्में देखना बंद कर चुका हूं। मैंने अभी सिर्फ 'धड़क 2', 'चमकीला' और 'लापता लेडीज' देखी है। मैंने छावा के कुछ सीन्स देखे, जिसके बारे में लोग बात कर रहे थे। मैंने छावा विनीत कुमार सिंह के लिए ही देखी थी, लेकिन मैं इसे जज नहीं करना चाहता हूं। मुझे फिल्म के डायरेक्टर की स्टोरीटेलिंग चॉइस समझ नहीं आई, लेकिन बाकी लोगों को आ गई। इसलिए मैं मेनस्ट्रीम सिनेमा का हिस्सा नहीं हूं, मुझे रोमांटिक फिल्में ज्यादा लुभाती हैं।

कैसे हैं विक्की कौशल और अनुराग कश्यप के रिलेशन

इस दौरान अनुराग ने एक्टर विक्की कौशल संग अपने बदले रिश्ते पर भी बात की। एक वक्त था जब अनुराग ने विक्की संग कई फिल्में बनाईं। गौर करने वाली बात ये है कि विक्की ने भी अपने प्रोफेशनल करियर की शुरुआत अनुराग की 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' से बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर की थी। अनुराग का कहना है कि वो अब विक्की कौशल से ज्यादा बातचीत नहीं करते हैं। इस बीच डायरेक्टर ने आगे बॉलीवुड इंडस्ट्री में पैसों को लेकर बनी सोच पर भी कमेंट किया। अनुराग का कहना है कि इंडस्ट्री में अब ये देखा जाता है कि कौनसी फिल्म करोड़ों रुपये कमा सकती है। अब हर कोई पैसों के पीछे भाग रहा है। इसी कारण से उन्होंने मुंबई छोड़ा था और अब वो बॉलीवुड में दोबारा आने की नहीं सोचेंगे।